भाव के भूखे है भगवान

भाव बिन मिले नहीं भगवान,
भाव के भूखे हैं भगवान,
ओ भगवान को जपने वाले, दिल से कर ले ध्यान,
भाव के भूखे हैं भगवान,
भाव बिन मिले नहीं भगवान....

झूठे फल शबरी के खाए,
राम ने रुचि रुचि भोग लगाएं,
जो ढूंढे उसको मिल जाए, कहते वेद पुराण,
आप मिले नहीं भगवान,
भाव के भूखे हैं भगवान,
भाव बिन मिले नहीं भगवान....

दुर्योधन की छोड़ी मेवा,
भा गई विदुरानी की सेवा,
जो ढूंढे उसको मिल जाए कहता, संत समाज,
भाव के भूखे हैं भगवान,
भाव बिन मिले नहीं भगवान....

ध्रुव पहलाद सुदामा मीरा,
नरसी भगत की मिट गई पीड़ा,
श्रद्धा और समर्पण से ही, रीझे करुणानिधान,
भाव के भूखे हैं भगवान,
भाव बिन मिले नहीं भगवान....

भाव बिना ना भक्ति सुहावे,
बिना गुरु के ज्ञान ना आवे,
राहें ना पावे रसिक बावरे ओ मूरख नादान,
भाव के भूखे हैं भगवान,
भाव बिन मिले नहीं भगवान....

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/25726/title/bhaav-ke-bukhe-hai-bhagwan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |